RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 196
दि. 17.11.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम ने गुजरात के सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया

- प्रधानमंत्री ने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की टीम के साथ बातचीत की
- प्रधानमंत्री ने बुलेट ट्रेन के कार्यान्वयन से प्राप्त सीखों को दस्तावेजीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला
- प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जब राष्ट्र के लिए काम करने और कुछ नया योगदान देने की भावना जागृत होती है, तो यह अत्यधिक प्रेरणा का स्रोत बन जाती है

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कल गुजरात के सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की टीम से भी बातचीत की और गति तथा समय सारिणी के लक्ष्यों के पालन सहित परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। कर्मियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि परियोजना बिना किसी कठिनाई के सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है।

केरल की एक इंजीनियर ने गुजरात के नवसारी स्थित नॉइज बैरियर फैक्टरी में काम करने का अपना अनुभव साझा किया, जहाँ सरिया के पिंजरों की वेल्डिंग के लिए रोबोटिक इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं। श्री मोदी ने उनसे पूछा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन के निर्माण के अनुभव को उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कैसा महसूस किया और इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बारे में वे अपने परिवारों के साथ क्या साझा करती हैं। उन्होंने देश की पहली बुलेट ट्रेन में योगदान देने पर गर्व व्यक्त किया और इसे अपने परिवार के लिए एक "ड्रीम प्रोजेक्ट" और "गर्व का क्षण" बताया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र सेवा की भावना पर विचार करते हुए इस बात पर जोर दिया कि जब राष्ट्र के लिए काम करने और कुछ नया योगदान देने की भावना जागृत होती है, तो यह अत्यधिक प्रेरणा का स्रोत बन जाती है। उन्होंने भारत की अंतरिक्ष यात्रा के साथ तुलना करते हुए याद दिलाया कि देश का पहला उपग्रह प्रक्षेपित करने वाले वैज्ञानिकों को कैसा महसूस हुआ होगा और आज कैसे सैकड़ों उपग्रह प्रक्षेपित किए जा रहे हैं।

बेंगलुरु की एक अन्य कर्मचारी, श्रुति, मुख्य इंजीनियरिंग प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कठोर डिजाइन और इंजीनियरिंग नियंत्रण प्रक्रियाओं के बारे में बताया। श्रुति ने बताया कि कार्यान्वयन के प्रत्येक चरण में, उनकी टीम फायदे और नुकसान का मूल्यांकन करती है, समाधानों की पहचान करती है और दोषरहित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विकल्पों की खोज करती है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यदि यहाँ प्राप्त अनुभवों को ब्लू बुक की तरह दर्ज और संकलित किया जाए, तो देश बुलेट ट्रेनों के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को बार-बार प्रयोग करने से बचना चाहिए और इसके बजाय मौजूदा मॉडलों से सीखों को दोहराना चाहिए। श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि अनुकरण तभी सार्थक होगा जब यह स्पष्ट समझ हो कि कुछ कदम क्यों उठाए गए। उन्होंने आगाह किया, कि अनुकरण बिना किसी उद्देश्य या दिशा के हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे रिकॉर्ड बनाए रखने से भविष्य के विद्यार्थियों को लाभ हो सकता है और राष्ट्र निर्माण में योगदान मिल सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, "हम अपना जीवन यहीं समर्पित करेंगे और देश के लिए कुछ मूल्यवान छोड़ जाएँगे।"

एक कर्मचारी ने एक कविता के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता को भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया, जिस पर प्रधानमंत्री ने उनके समर्पण की प्रशंसा और सराहना की।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव इस दौरे के अवसर पर मौजूद थे।

पृष्ठभूमि

प्रधानमंत्री ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा करने के लिए सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया। यह भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है और देश के हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के युग में प्रवेश का प्रतीक है।

एमएएचएसआर लगभग 508 किलोमीटर लंबा है, जिसमें 352 किलोमीटर गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली में और 156 किलोमीटर महाराष्ट्र में शामिल है। यह कॉरिडोर साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोईसर, विरार, ठाणे और मुंबई सहित प्रमुख शहरों को जोड़ेगा, जो भारत के परिवहन बुनियादी ढांचे में एक परिवर्तनकारी कदम है।

अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों से निर्मित इस परियोजना में 465 किलोमीटर (मार्ग का लगभग 85 प्रतिशत) पुलों पर बना है, जिससे न्यूनतम भूमि व्यवधान और बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होती है। अब तक 326 किलोमीटर पुल निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है और 25 में से 17 नदी पुलों का निर्माण हो चुका है।

बुलेट ट्रेन परियोजना के पूरा होने पर, मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा के समय को लगभग दो घंटे तक कम कर देगी, जिससे अंतर-शहर यात्रा तेज, आसान और अधिक आरामदायक बनकर क्रांति ला देगी।

इस परियोजना से पूरे कॉरिडोर पर व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और क्षेत्रीय विकास को गति मिलने की संभावना है।

नीतीश की रिकॉर्ड तोड़ वापसी! 'सुशासन बाबू' 10वीं बार लेंगे सीएम पद की शपथ, किसके नाम सबसे लंबे शासन का रिकॉर्ड?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों में ठळ्अ की प्रचंड जीत ने एक बार फिर नीतीश कुमार को राज्य की सत्ता के शिखर पर ला खड़ा किया है। 'सुशासन बाबू' के नाम से चर्चित नीतीश कुमार, 20 नवंबर को दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं, सिर्फ सरकार में वापसी नहीं कर रहे हैं- बल्कि वह एक साथ कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी तोड़ रहे हैं।

उनकी यह वापसी भारतीय राजनीति में एक नेता की बेजोड़ अनुकूलन क्षमता और स्थायी प्रभाव की कहानी कहती है।

यह कार्यकाल नीतीश कुमार को बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में मजबूती से स्थापित कर देगा। लगातार तीसरी बार सत्ता की कमान संभालने जा रहे जदयू सुप्रीमो, अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं। उनका यह सफर, जहां एक तरफ दशक भर के अटूट शासन को दशार्ता है, वहीं दूसरी तरफ बार-बार शपथ लेने की मजबूरी बिहार की गठबंधन की अस्थिर राजनीति की गवाही भी देता है।

नए शिखर पर 'नीतीश रिकॉर्ड': दो ऐतिहासिक कीर्तिमान

बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार ने अब दो ऐसे कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं, जिन्हें आने वाले समय में तोड़ना लगभग असंभव होगा।

सबसे लम्बे कार्यकाल का रिकॉर्ड

नीतीश कुमार अब कुल मिलाकर (या सभी कार्यकालों को जोड़कर) बिहार के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने आजादी के बाद के पहले मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिन्हा (श्री बाबू) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिनका सभी कार्यकालों का कुल योग 17 साल से कुछ अधिक था। नीतीश कुमार का सभी कार्यकालों का कुल समय अब 18 साल को पार कर चुका है।'

'शपथ ग्रहण' का रिकॉर्ड शतक

राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद सत्ता में बने रहने की कला में माहिर नीतीश कुमार ने अब तक नौ बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। एनडीए की जीत के बाद वह दसवीं बार शपथ लेकर एक अनोखा रिकॉर्ड बनाने जा रहे हैं। बार-बार पाला बदलने, गठबंधन बदलने, इस्तीफा देने और फिर से मुख्यमंत्री बनने की इस प्रक्रिया ने उन्हें यह अनूठी राजनीतिक पहचान दी है।

श्री बाबू के शासन की कहानी

आजादी के बाद, बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिन्हा (श्री बाबू) ने एक ऐसा मानक स्थापित किया था जो दशकों तक अछूता रहा।

यूपीः उत्तराखंड महोत्सव में बोले सीएम योगी, प्रदेश को उपजाऊ बनाती हैं देवभूमि से निकली नदियां

(जीएनएस)।

लखनऊ (जीएनएस)। लखनऊ में चल रहे उत्तराखंड महोत्सव में मुख्यंमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार की शाम शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यम्नत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर विशेष रूप से बल दिया कि संकट के दौरान यही लोकगीत कला व लोकगीत ही इतिहास का संरक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के कई गौरवशाली क्षण हैं जिसे विदेशी इतिहासकारों ने शरारतन भारत के गौरवशाली इतिहास के साथ नहीं जोड़ा। ऐसे में, भारत के गौरव व गरिमा से जुड़े हुए पन्नों को सहेजने का काम लोकगायन व परंपरा के माध्यम से हमें सुनने देखने को प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में आयोजित 10 दिवसीय ऐतिहासिक 'उत्तराखण्ड

महोत्सव-2025' में लोक संस्कृति के संरक्षण का आ'ान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मां गंगा, यमुना, सरयू व शारदा जैसी नदियां देवभूमि के पावन क्षेत्र से होकर उत्तर प्रदेश की भूमि को उपजाऊ करते हुए यहां की धरती से सोना उगलने वाली धरती के रूप में परिवर्तित करने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपनी जवानी लगाने वाला उत्तराखंड का नौजवान और अमृत तुल्य जल देने वाली पवित्र नदियां उत्तराखंड से ही आती हैं। लोककला व संस्कृति के महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तव में यह महोत्सव हमारी लोककला व संस्कृति को जीवंत बना रखने का एक माध्यम है। अगर हम इस प्रकार के महोत्सव न मनाएं तो बहुत से लोग आज की आपाधापी में अपनी संस्कृति से विमुख हो जाएंगे। उन्हें लोककला, लोकगायन, लोकसंस्कृति का पता ही

राजधानी दिल्ली की जहरीली हवा बनी बच्चों की दुश्मन, स्कूलों ने उठाया बड़ा कदम, सोमवार से बंद हैं क्लासेज?

(जीएनएस)।

दिल्ली-एनसीआर की हवा इन दिनों जहरीली गैस चैंबर में बदल चुकी है। सांस लेना मुश्किल हो गया है, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई खांसी, गले में जलन और आंखों में पानी की शिकायत कर रहा है। हवा में घुले धुएं, धूल और जहरीले रसायनों के कारण एक्यूआई लगातार "बहुत खराब" स्तर पर बना हुआ है।

ऐसे में स्कूलों को बंद करने, ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करने और अब हाइब्रिड क्लासेज शुरू करने के फैसले ने पेरेंट्स को उलझन में डाल दिया है। रविवार होने की वजह से हजारों माता-पिता इस बात को लेकर असमंजस में रहे कि सोमवार को बच्चों को स्कूल भेजना है या घर पर ही रखना है। स्थिति और भी गंभीर इसलिए है, क्योंकि प्रदूषण अब सिर्फ

हवा तक सीमित नहीं, बल्कि सीधे बच्चों के स्वास्थ्य और पढ़ाई पर असर डाल रहा है।

इस संकट के बीच दिल्ली के स्कूलों ने नया रास्ता चुना है - हाइब्रिड मोड, जिसमें फैसला अब पेरेंट्स के हाथ में है कि वे बच्चे को स्कूल भेजें या ऑनलाइन क्लास दिलवाएं। यह मॉडल कितना चलेगा, फिलहाल इसका कोई साफ जवाब नहीं है, लेकिन एक बात तय है - दिल्ली की हवा ने एक बार फिर बच्चों की जिंदगी और शिक्षा को सबसे बड़ा खतरा बना दिया है।

घटनास्थल से 9एमएम के तीन कारतूस बरामद, क्या अब खुलेगा अंडरवर्ल्ड से कनेक्शन?

दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की जांच में एक बड़ा मोड़ आया है। फोरेंसिक टीमों को विस्फोट स्थल से तीन 9 एमएम कारतूस (दो ज़िंदा और एक चला हुआ) मिले हैं, जो नागरिक उपयोग के लिए निषिद्ध हैं। हालांकि, कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है, जिससे जाँचकर्ता उलझन में हैं। यह साक्ष्य मामले की गुत्थी सुलझाने में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जांच को तेज करते हुए इसे अल फलाह यूनिवर्सिटी से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया है।

सीएम मोहन यादव सड़क पर क्यों बैठे, धीरेंद्र शास्त्री संग किया भोजन, हिंदू एकता का संदेश

(जीएनएस)।

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा का आज अंतिम दिन था, और इस अवसर पर एक दिल छू लेने वाला दृश्य देखने को मिला। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बाबा बागेश्वर धाम के आचार्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ पदयात्रा में शामिल हुए।

सबसे चर्चित पल तब आया जब सीएम ने सादगी का परिचय देते हुए सड़क पर ही साधु-संतों और श्रद्धालुओं के बीच बैठकर 'बाल भोग प्रसाद' (सब्जी-पूड़ी) ग्रहण किया। यह दृश्य न केवल हिंदू एकता का प्रतीक बना, बल्कि सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया।

दिल्ली के कात्यायनी माता मंदिर से 7 नवंबर को शुरू हुई यह सनातन हिंदू एकता पदयात्रा आज वृंदावन के चारधाम में समाप्त हुई। लगभग 170 किलोमीटर लंबी इस यात्रा का उद्देश्य हिंदुओं को जातिवाद से ऊपर उठाकर एकजुट करना, सनातन धर्म की रक्षा और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को मजबूत करना रहा। आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने यात्रा के दौरान बार-बार जोर दिया कि "यह वैचारिक क्रांति है, जहां जाति नहीं, राष्ट्रवाद प्रधान होगा।" यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल हुए, जिनमें क्रिकेटर उमेश यादव, अभिनेता संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, जया किशोरी जैसे सितारे भी दिखे।

आज सुबह 9 बजे से चारधाम में मंचीय कार्यक्रम शुरू हुआ, जहां मुख्य अतिथि के रूप में सीएम मोहन यादव ने शिरकत की। उन्होंने पदयात्रियों के साथ पैदल चलते हुए भक्ति भजनों पर थिरकते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने कहा, "भगवान गोपाल कृष्ण भी इस एकता पर मुस्कुराएंगे। सामाजिक सद्भाव और सबका साथ-सबका विकास ही हमारा मंत्र है।"

अब इस देश में सड़कों पर उतरे जेन-ज़ी राष्ट्रपति भवन को घेरा, क्या है पूरा मामला?

(जीएनएस)।

मैक्सिको सिटी में एक बार फिर जेन-ज़ी का गुस्सा फूटा है, जहां हजारों युवाओं ने देश में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों से जुड़ी हिंसा, और राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम की सुरक्षा नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मूल रूप से जेन-जी सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया था, लेकिन इसे विपक्षी दलों के बुजुर्ग समर्थकों का भी भारी समर्थन मिला।

युवाओं का कहना है कि वे भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों पर सजा न होने जैसी गंभीर समस्याओं से त्रस्त हैं, जिसके कारण उन्हें सड़कों पर उतरना पड़ा है। यह विरोध प्रदर्शन नेपाल में हाल ही में हुए बड़े जेन-जी प्रदर्शनों के बाद हुआ, जिसके कारण वहां के प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा था। प्रदर्शनकारी नेशनल पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए और उन्होंने राष्ट्रपति के आवास की सुरक्षा के लिए लगाए गए कुछ बैरिकेड्स गिरा दिए।

प्रदर्शनकारियों की क्या है मांगे?

प्रदर्शनकारी प्रमुख रूप से बेहतर सुरक्षा और न्यायिक जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। 43 वर्षीय डॉक्टर अरिजबेथ गार्सिया ने सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए अधिक फंड और बेहतर सुरक्षा की मांग की, यह कहते हुए कि डॉक्टर भी देश में असुरक्षा के शिकार हैं। मिचोआकान के मेयर कार्लोस मान्जो की हालिया हत्या ने युवाओं के आक्रोश को और भड़का दिया है। उनका मानना है कि हिंसक अपराधों पर कोई सजा नहीं होने के कारण अपराधी बेखौफ हैं। पुलिस को प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

मिचोआकान के उरुआपान शहर के मेयर कार्लोस मान्जो की 1 नवंबर को हत्या कर दी गई थी। वह अपने शहर में ड्रग-तस्करी करने वाले गिरोहों के खिलाफ एक अभियान चला रहे थे।

मंत्री विजय शाह के धर्मांतरण संबंधी बयान पर भड़का हिंदू संगठन, सार्वजनिक माफी की मांग

भोपाल, मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह के उस बयान पर संस्कृति बचाओ मंच और हिंदू उत्सव समिति ने तीखा विरोध जताया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'धर्मांतरण सरकार का विषय नहीं है'।

संगठन ने इसे हिंदू समाज का अपमान बताते हुए मंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश और देश में लव जिहाद तथा ईसाई मिशनरियों द्वारा सोची-समझी साजिश के तहत धर्मांतरण किया जा रहा है, जिसे सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती। संस्कृति बचाओ मंच एवं हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने मंत्री विजय शाह के बयान की कड़ी निंदा की।

सम्पादकीय

हार के बाद अब मुश्किलों में इंडिया गठबंधन

बिहार में विपक्षी गठबंधन पूरी तरह राष्ट्रीय जनता दल यानि आरजेडी पर निर्भर था और यह पार्टी पारिवारिक कलह से जूझ रही थी। इस बात का प्रमाण शनिवार को सामने आया था जब आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने परिवार और पार्टी दोनों छोड़कर सार्वजनिक प्रतिक्रिया व्यक्त की कि आरजेडी को चौपट करने वाले तेजस्वी यादव के मित्र संजय यादव और रमीज हैं किन्तु जब वह हार की जिम्मेदारी लेने की बात करती हैं तो उन्हें चप्पल से मारने की बात की जाती है। लेकिन रविवार को उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी पोस्ट लिखी और जमकर तेजस्वी यादव को निशाना बनाया। रोहिणी ने लिखा कि "कल मुझे गालियों के साथ बोला गया कि मैं गंदी हूं और मैंने अपने पिता को अपनी गंदी किडनी लगवा दी, करोड़ों रुपए लिया और टिकट लिया।" असल में लालू परिवार में एक बाहरी व्यक्ति से रोहिणी और तेजप्रताप दोनों परेशान हैं। घर छोड़ने से पहले तेजप्रताप ने जिस जयचंद की बात की थी वह कोई और नहीं बल्कि तेजस्वी के मित्र संजय यादव हैं जिनका मूल निवास हरियाणा है और वे राज्यसभा सदस्य भी हैं। किन्तु तेजस्वी पर उनका प्रभाव इतना है कि बिना संजय की अनुमति से कोई भी व्यक्ति भले ही वह परिवार का ही क्यों न हो, तेजस्वी यादव से मिल ही नहीं सकता। तेजप्रताप इसी संजय यादव को जयचंद कहते हैं और उन पर परिवार की एकता को चौपट करने का खुलेआम आरोप लगाते हैं। रोहिणी मामले में भी रविवार को तेजप्रताप ने आक्रोश व्यक्त किया और "कहा कि बहन का अपमान हुआ है, अब सुदर्शन चक्र चलेगा।" रोहिणी ने इसी संजय यादव को निशाना बनाते हुए एक्स पर लिखा है कि "सभी बेटी-बहन जो शादीशुदा हैं, उनको मैं बोलूंगी कि जब आपके मायके में कोई बेटा भाई हो, तो भूल कर भी अपने भगवान रूपी पिता को नहीं बचाएं। अपने भाई, उस घर के बेटे को ही बोलें कि वह अपनी या अपने किसी हरियाणवी दोस्त की किडनी लगवा दे।" रविवार को तो रोहिणी ने सब कुछ सोशल मीडिया एक्स पर ही लिखा किन्तु शनिवार को उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए एयरपोर्ट पर कहा था कि 243 सीटों में से यदि आरजेडी को मात्र 25 सीटें ही मिल सकीं तो आखिर पार्टी की इस दुर्दशा के लिए कौन जिम्मेदार है, तो उनका अपमान किया गया। इसका मतलब है कि अब आरजेडी पर तेजस्वी और उनके साथियों का कब्जा है। लालू यादव को पता है कि तेजस्वी के सामने उनकी भी नहीं चलेगी, इसलिए अब वह भी चुप्पी साधने में ही भलाई समझते हैं। परिवारवादी पार्टियों में जब भी आपसी कलह बढ़ती है तो पार्टी का नुकसान होना स्वाभाविक है। अब आरजेडी को मजबूत बनाने और सक्रिय करने में तेजस्वी और उनके मित्रों संजय यादव एवं रमीज पर निर्भर है। इसके अलावा कांग्रेस में भले ही अपनी हार के लिए तमाम कारणों की सूची दिखाई जाए किन्तु सच तो यह है कि कांग्रेस के स्टार प्रचारकों को लालू यादव ने प्रचार ही नहीं करने दिया। लालू को लगता है कि यदि कन्हैया कुमार कांग्रेस की तरफ से प्रचार करेंगे तो तेजस्वी की चमक धूमिल हो जाएगी। इसी तरह जो कांग्रेस के ज्यादा सक्रिय नेता हैं, उन्हें 'चकचोन्हर' कहकर निष्क्रिय करने के लिए लालू ने नाराजगी जताते हुए कांग्रेस नेताओं से कह दिया था उन्हें बिहार से वापस बुला लें। इसलिए कांग्रेस तो पूरी तरह आरजेडी और लालू परिवार पर निर्भर रही। जो पार्टी खुद ही 2020 की सीटों की आधी भी न जीत पाई हो वह भला कांग्रेस को क्या जिता पाती। वैसे कांग्रेस में इस बात को लेकर अंदर ही अंदर नाराजगी चल रही है कि कांग्रेस के लिए अत्याधिक वामपंथ और मुस्लिम परस्ती के प्रति झुकाव हानिकारक साबित हो रहा है। लब्बोलुआब यह है कि हार से पस्त पड़ी आरजेडी और कांग्रेस दोनों को हार के लिए जिम्मेदार नेताओं को जवाबदेह ठहराने की हिम्मत दिखानी चाहिए।

द्वितीय वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) का फोकस कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र पर

- यह रीजनल कॉन्फ्रेंस 8-9 जनवरी 2026 को राजकोट में आयोजित की जाएगी
- द्वितीय VGRC से पूर्व दिसंबर 2025 में 11 जिला-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

गांधीनगर, 16 नवंबर : माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल के सशक्त नेतृत्व में गुजरात सरकार मेहसाणा, राजकोट, सूरत और वडोदरा में चार वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेस (VGRC) का आयोजन कर रही है।

ये कॉन्फ्रेंसेस जनवरी 2027 में प्रस्तावित वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट से पहले आयोजित की जा रही हैं, ताकि प्रत्येक क्षेत्र की विशिष्ट क्षमताओं को वैश्विक मंच पर बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। हर कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य क्षेत्रीय विकास की गति को और तेज करना, निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देना तथा समावेशी और संतुलित प्रगति को सुदृढ़ बनाना है।

इसके साथ ही, प्रत्येक रीजनल कॉन्फ्रेंस से पूर्व जिला-स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें स्थानीय अवसरों, सफलता की कहानियों, नवाचारों और उभरती संभावनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर विकास की नई दिशा और ऊर्जा सुनिश्चित हो सके।

इसी क्रम में, द्वितीय वाइब्रेंट रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) का आयोजन 8 और 9 जनवरी 2026 को राजकोट में होने जा रहा है। स्थानीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने के उद्देश्य के साथ यह सम्मेलन व्यापक बाजार पहचान, रणनीतिक सहयोग और नई साझेदारियों को प्रोत्साहित करने का सशक्त मंच प्रदान करेगा।

कॉन्फ्रेंस में कृषि, खनन, पर्यटन और औद्योगिक विकास जैसे प्रमुख विषयों पर केंद्रित सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रतिभागियों के लिए टरटए कॉन्क्लेव, रिवर्स बायर-सेलर मीट (फ्ङरट), प्रदर्शनी और ट्रेड फेयर जैसी गतिविधियाँ भी होंगी, जो निवेश, नेटवर्किंग और व्यवसायिक अवसरों को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

साथ ही, दिसंबर 2025 के दौरान अमरेली, भावनगर, बोटाद, देवभूमि द्वारका, गिर-सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, कच्छ, मोरबी, पोरबंदर और सुरेंद्रनगर जिलों में जिला-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य स्थानीय क्षमताओं, अवसरों और पहलों को नए स्तर पर प्रसारित करना है।

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2025 में नॉर्थ गुजरात के मेहसाणा में प्रथम वाइब्रेंट रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) का अत्यंत सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप 1,264 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें कुल ₹3.25 लाख करोड़ के

प्रस्तावित निवेश शामिल हैं—जो क्षेत्र की विकास संभावनाओं और निवेशकों के उत्साह का प्रमाण है।

दो दिवसीय इस कॉन्फ्रेंस में उल्लेखनीय सहभागिता रही, जिसमें 29,000 से अधिक पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया। साथ ही, 80 से अधिक देशों से आए 440 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को वैश्विक पहचान और व्यापक सहयोग का नया आयाम प्रदान किया।

वैश्विक और घरेलू सहयोग की उत्कृष्ट मिसाल पेश करते हुए इस कॉन्फ्रेंस में 160 से अधिक बिजनेस-टू-बिजनेस (B2B) और 100 से अधिक बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (B2G) बैठकों का सफल आयोजन किया गया, जिन्होंने नई साझेदारियों, निवेश संभावनाओं और औद्योगिक सहयोग को मजबूत आधार प्रदान किया।

इसके साथ ही, 410 से अधिक प्रदर्शकों ने अपने नवाचारों और उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिनमें 170 से अधिक MSMEs और स्टार्टअप्स की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

उद्यमी मेले में 9,000 से अधिक उद्यमियों को ₹900 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन सहायता प्रदान की गई, जिससे स्थानीय उद्यमिता को नई ऊर्जा मिली। भारतनेक्स्ट स्टार्टअप पिचिंग फेस्टिवल के दौरान ₹41.56 करोड़ के निवेश की घोषणा ने नवाचार-आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम को और सशक्त बनाया। वहीं, फ्ङरट (रिवर्स बायर-सेलर मीट) में 850 से अधिक गुजरात-आधारित विक्रेताओं के साथ 2,200 से अधिक व्यापारिक बैठकें आयोजित की गईं, जिनसे ₹500 करोड़ से अधिक की निर्यात-उन्मुख व्यापारिक पूछताछ उत्पन्न हुई। यह उपलब्धियाँ न केवल गुजरात की उद्यमशीलता क्षमता को उजागर करती हैं, बल्कि राज्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को भी नए आयाम देती हैं।

आगामी 8-9 जनवरी 2026 को राजकोट में आयोजित होने वाला द्वितीय वाइब्रेंट रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) सौराष्ट्र और कच्छ दोनों क्षेत्रों की क्षेत्रीय आकांक्षाओं को नई गति देगा। कच्छ और सौराष्ट्र अपनी भौगोलिक विविधता, समृद्ध प्राकृतिक विरासत और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के लिए विशेष पहचान रखते हैं, जहाँ पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक आर्थिक प्रगति का संतुलित मेल देखने को मिलता है।

यह क्षेत्र अपने समुद्री इतिहास और कांडला व मुंद्रा जैसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों के कारण देश के प्रमुख लॉजिस्टिक्स, व्यापार और ग्रीन शिपिंग केंद्रों में से एक है। पेट्रोकेमिकल्स, सेरामिक्स और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में यह प्रदेश अग्रणी रहा है, जिसे अत्याधुनिक अवसंरचना और नवाचार-प्रधान नीतियों का मजबूत सहयोग प्राप्त है। साथ ही, आध्यात्मिक एवं विरासत पर्यटन सर्किट यहां परंपरा और व्यवसाय-उन्मुख गतिविधियों के बीच एक अनूठा और संतुलित समन्वय स्थापित करते हैं।

यह सम्मेलन न केवल क्षेत्र की मौजूदा क्षमताओं को नए अवसरों से जोड़ने का कार्य करेगा, बल्कि निवेश, नवाचार और सतत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी उभरेगा।

राजकोट में आयोजित होने वाले द्वितीय वाइब्रेंट रीजनल कॉन्फ्रेंस (श्रक्रष्ठ) में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए कई उच्च-प्राथमिकता वाले सेक्टरों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इनमें सेरामिक्स, इंजीनियरिंग, पोर्ट्स एवं लॉजिस्टिक्स, मत्स्य उद्योग, पेट्रोकेमिकल्स, एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, खनिज, ग्रीन एनर्जी इकोसिस्टम, कौशल विकास, स्टार्टअप्स, टरटए२, पर्यटन एवं संस्कृति जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

इसके साथ ही, सेरामिक, कॉटन और प्लास्टिक के निर्यात, ब्रास कंपोनेंट्स, समुद्री खाद्य प्रसंस्करण, तटीय पर्यटन और अन्य उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध उत्कृष्ट व्यावसायिक अवसरों को भी इस सम्मेलन के माध्यम से और अधिक गहनता से समझा, प्रदर्शित और विस्तारित किया जाएगा। यह सम्मेलन इन सेक्टरों में निवेश, नवाचार और क्षेत्रीय विकास के नए द्वार खोलने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

आखिर ऐसा क्या हुआ कि मध्य प्रदेश के मंत्री इंदर सिंह परमार को मांगनी पड़ी माफी, जानिए पूरा मामला

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार (ल्लीी१ ३ल्लँ स्ऱ१ें१) एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गए हैं। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने समाज सुधारक राजा राम मोहन रॉय को 'अंग्रेजों का दलाल' बताकर राजनीतिक हंगामा मचा दिया।

बयान की कड़ी आलोचना होने के बाद रविवार को उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर सार्वजनिक माफी मांगी। इस घटना ने न केवल राज्य की राजनीति को गरमा दिया है, बल्कि इतिहास की व्याख्या और समाज सुधारकों की भूमिका पर नई बहस छेड़ दी है।

बिरसा मुंडा जयंती कार्यक्रम में विवादित बयान

शनिवार को आगर मालवा जिले के शुजालपुर में बिरसा मुंडा की जयंती पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आदिवासी नायक बिरसा मुंडा को समर्पित इस आयोजन में हजारों लोग जुटे थे। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने अपने संबोधन में बिरसा मुंडा के संघर्ष को रेखांकित करते हुए ब्रिटिश काल की शिक्षा नीतियों पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने मिशनरी स्कूलों के माध्यम से धर्मांतरण का दुष्चक्र चलाया था, और राजा राम मोहन रॉय जैसे लोग इसमें सहयोगी की भूमिका निभाते थे।

मंत्री परमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा, "राजा राम मोहन रॉय अंग्रेजों के दलाल थे। उन्होंने बंगाल में अंग्रेजी

शिक्षा को बढ़ावा देकर समाज को बांटने का काम किया। बिरसा मुंडा ने इस साजिश को पहचाना और मिशनरी शिक्षा को त्यागकर अपने समुदाय की रक्षा की।" यह बयान वायरल होते ही सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया। कई यूजर्स ने इसे इतिहास की तोड़-मरोड़ वाली व्याख्या बताया, जबकि कुछ ने भाजपा की 'इतिहास पुनर्लेखन' की कोशिश करार दिया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने आगे कहा कि देश को गलत इतिहास पढ़ाया गया है, और मूल कथाओं को तोड़ा-मरोड़ा गया है। उन्होंने बिरसा मुंडा को 'भगवान' कहकर उनकी स्वदेशी शिक्षा और आदिवासी संस्कृति की रक्षा के प्रयासों की सराहना की। लेकिन राजा राम मोहन रॉय पर यह टिप्पणी उनके पूरे संबोधन को विवादास्पद बना दिया।

कांग्रेस और सामाजिक संगठनों का तीखा विरोध

बयान के वायरल होते ही विपक्ष ने हमला बोल दिया। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने इसे 'शर्मनाक' बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार इतिहास के महान सुधारकों को बदनाम कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता ने ट्वीट किया, "सती प्रथा, बाल विवाह और जातिवाद जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ लड़ने वाले राजा राम मोहन रॉय को 'दलाल' कहना न केवल अपमानजनक है, बल्कि भाजपा-आरएसएस की मानसिकता को उजागर करता है।

सामाजिक संगठनों ने भी निंदा की। ब्रह्म समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि रॉय ने 1829 में सती प्रथा के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, और उन्हें 'एजेंट' कहना ऐतिहासिक तथ्यों का अपमान है। इतिहासकारों ने भी मंत्री के बयान को 'एकतरफा' बताया, क्योंकि रॉय ने अंग्रेजी शिक्षा को महिलाओं और वंचितों के सशक्तिकरण के लिए इस्तेमाल किया था। एक प्रमुख इतिहासकार ने कहा, "यह बयान बिरसा मुंडा के योगदान को कमतर आंकने जैसा है, लेकिन रॉय को निशाना बनाना गलत है।"

सोशल मीडिया पर एक वायरल पोस्ट में पत्रकार काशिफ काकवी ने लिखा, "कल बिरसा मुंडा जयंती पर मंत्री ने रॉय को दलाल कहा, आज पलट गए। यह है भाजपा का इतिहास दृष्टिकोण-सावरकर देशभक्त, रॉय एजेंट।" इस पोस्ट को हजारों व्यूज मिले।

माफी का वीडियो: 'त्रुटिवश निकल गए शब्द, प्रायश्चित करता हूं'

विवाद बढ़ते देख रविवार को मंत्री परमार ने शुजालपुर से एक वीडियो जारी किया। भावुक स्वर में उन्होंने कहा, "कल आगर में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उनके जीवन पर बोलते समय संदर्भों के कारण राजा राम मोहन रॉय जी के संबंध में त्रुटिवश मेरे मुंह से गलत शब्द निकल गए। प्रसिद्ध समाज सुधारक श्री राजा राम मोहन रॉय जी ने अपने काल में समाज सुधार का बहुत काम किया है। उनके लिए त्रुटिवश निकले शब्दों पर मुझे दुःख है। मैं प्रायश्चित करता हूं।"

वीडियो में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी का अपमान करना नहीं था, बल्कि ब्रिटिश काल की साजिशों पर चर्चा करना था। ट्विटर पर जारी इस वीडियो को भाजपा समर्थकों ने सराहा, लेकिन विपक्ष ने इसे 'दबाव में माफी' बताया।

राजा राम मोहन रॉयः विवाद के केंद्र में वह महान सुधारक

राजा राम मोहन रॉय (1772-1833) को आधुनिक भारत का जनक कहा जाता है। उन्होंने ब्रह्म समाज की स्थापना की, सती प्रथा के खिलाफ मुहिम चलाई, महिलाओं की शिक्षा और संपत्ति अधिकारों की वकालत की। अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा देने के कारण कुछ राष्ट्रवादी उन्हें 'वेस्टर्नाइजर' मानते हैं, लेकिन उनके योगदान को अमूल्य माना जाता है। बिरसा मुंडा (1875-1900) आदिवासी विद्रोह के प्रतीक थे, जिन्होंने 'उलगुलान' आंदोलन से ब्रिटिश शोषण के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मंत्री का बयान इन दोनों की तुलना को जन्म देता है, जहां बिरसा को स्वदेशी नायक और रॉय को 'सहयोगी' बताया गया।

इंदर सिंह परमारः विवादों से घिरे हिंदुत्ववादी नेता

मंत्री परमार कट्टर हिंदूवादी नेता के रूप में जाने जाते हैं। बचपन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े, वे 2013 में कालापीपल से और 2018 में शुजालपुर से विधायक बने। पिछली शिवराज सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री रह चुके हैं। इससे पहले उन्होंने 'भारत की खोज वास्को डा गामा ने नहीं, बल्कि व्यापारी चंदन ने की' जैसे बयान दिए थे, जो विवादास्पद रहे। उच्च शिक्षा विभाग में वे 'इतिहास पुनर्लेखन' पर जोर देते हैं, जिसे विपक्ष 'सांप्रदायिक एजेंडा' कहता है।

भाजपा पर सवाल, विपक्ष को मौका

यह विवाद मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार के लिए चुनौती बन गया है। चुनावी साल में आदिवासी और दलित वोट बैंक को देखते हुए बिरसा मुंडा जैसे नायकों का सम्मान महत्वपूर्ण है, लेकिन रॉय जैसे सुधारकों पर हमला विपक्ष को हथियार देता है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भी भाजपा को घेरा। मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन भाजपा आंतरिक रूप से मंत्री को फटकार चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना 'इतिहास की राजनीति' को उजागर करती है, जहां राष्ट्रवाद की परिभाषा पर बहस तेज हो रही है।

बहस जारी, सावधानी की जरूरत

मंत्री की माफी के बाद विवाद कुछ शांत हुआ है, लेकिन सोशल मीडिया पर चर्चा जारी है। इतिहासकारों ने अपील की कि सार्वजनिक मंचों पर तथ्यों की सत्यता जांचनी चाहिए। यह घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि राजनीति और इतिहास का मिश्रण कितना संवेदनशील हो सकता है। मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग के अन्य कदमों पर भी अब नजर रहेगी। जय बिरसा! जय सनातन!

भारतीय क्रिकेट के मौजूदा कोच गौतम गंभीर बहुत सरल हैं, मैं लकी हूं कि उनकी वाइफ हूं।' : गंभीर की वाइफ नताशा

भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर की जाति क्या है? इस धर्म की लड़की से रचाई थी शादी

(जीएनएस)।

ईडन गार्डन्स में खेला गया टेस्ट मैच भारत की एक बेहतरीन घरेलू सीरीज की शुरूआत माना जा रहा था, लेकिन नतीजा बिल्कुल उलट निकला। भारत दक्षिण अफ्रीका से सिर्फ तीन दिन में 30 रन से हार गया, और वो भी ऐसी पिच पर जो शुरूआत से ही टर्न और सीम दोनों दे रही थी। इस हार ने टीम के दो बड़े चेहरों, सौरव गांगुली और गौतम गंभीर, को सीधा आमने-सामने खड़ा कर दिया।

भारतीय क्रिकेट के आक्रामक बल्लेबाज और मौजूदा कोच गौतम गंभीर हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। मैदान पर अपनी दमदार बैटिंग से लेकर राजनीति और कोचिंग तक, गंभीर की जिंदगी चर्चा का विषय बनी रहती है। लेकिन एक सवाल जो फैंस अक्सर पूछते हैं - गौतम गंभीर की जाति क्या है? और उनकी शादी किस धर्म की लड़की से हुई?

गौतम गंभीर एक हिंदू खत्री परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनका गोत्र गौतम है, जो ब्राह्मण जाति से जुड़ा माना जाता है, लेकिन वे खत्री समुदाय के हैं। गंभीर का जन्म 14 अक्टूबर 1981 को नई दिल्ली में हुआ। उनकी राशि तुला है। परिवार की जड़ें विभाजन से पहले पाकिस्तान के मुल्तान में थीं। 1947 में उनके दादा दिल्ली आकर बस गए।

गंभीर को हिंदुत्व के प्रचारक के तौर पर देखा जाता है और वे कट्टर विचारधारा के लिए जाने जाते हैं। पूर्वी दिल्ली से बीजेपी सांसद गंभीर क्रिकेट के अलावा राजनीति में भी सक्रिय हैं।

गौतम गंभीर ने 2011 में नताशा जैन से शादी रचाई। नताशा भी हिंदू धर्म से हैं और एक रईस बिजनेस फैमिली से आती हैं। दोनों की शादी हिंदू रिवाजों से हुई। यह शादी अरेंज्ड थी, लेकिन जल्द ही लव कम अरेंज्ड हो गई। गंभीर के पिता के करीबी दोस्त की बेटी नताशा को परिवार पहले से घर की बहू बनाना चाहता था।

मुलाकात के बाद गंभीर नताशा पर फिदा हो गए। नताशा बेहद खूबसूरत और समझदार हैं। आज वे सफल बिजनेसवुमन हैं और करोड़ों का बिजनेस चला रही हैं। दंपती की दो बेटियां हैं - आजीन और अनाइजा। फैमिली की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं।

गंभीर का इंटरव्यूः नताशा ने दिया पूरा सपोर्ट

एक पुराने इंटरव्यू में गंभीर ने बताया, 'नताशा बहुत प्यारी और समझदार हैं। हमारे बीच क्रिकेट की बातें कभी नहीं होतीं, जो मुझे सबसे पसंद है। मैं क्रिकेट के लिए इतना प्रैक्टिस करता हूं कि घर आकर उसी की बात नहीं सुनना चाहता। नताशा कभी नहीं पूछतीं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैंने नताशा के सामने शर्त रखी थी कि 2011 विश्व कप के बाद शादी करूंगा, क्योंकि पूरा फोकस विश्व कप पर था। नताशा ने समझा और साथ दिया। वो मेरा पहला 50 ओवर विश्व कप था, जहां मैं सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी था। इसके लिए नताशा को थैंक्यू!'

नताशा ने भी इंटरव्यू में कहा, 'गंभीर से मिलकर पता चला सादगी क्या होती है। डिनर पर जाती हूं तो लोग उनकी झलक के लिए बेताब रहते हैं। गंभीर बहुत सरल हैं, मैं लकी हूं कि उनकी वाइफ हूं।'

मसूद अजहर, हाफिज सईद ने कराया दिल्ली ब्लास्ट? पाकिस्तानी पत्रकार का खतरनाक वीडियो वाइरल

(जीएनएस)।

पाकिस्तान, जो अक्सर खुद को आतंकवाद का शिकार बताता है, उसका असली चेहरा दिल्ली में हुए धमाके के बाद उजागर हो रहा है। भारतीय एजेंसियां 10 नवंबर के दिल्ली ब्लास्ट की एक-एक कड़ी जोड़ रही हैं, और इसी बीच पाकिस्तान के एक पत्रकार का पांच महीने पुराना वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वह साफ तौर पर भारत में आतंकी हमलों की भविष्यवाणी कर रहा था।

पाकिस्तान के जाने-माने पत्रकार जावेद चौधरी, जिनका संबंध क्रक से बताया जाता है, ने मई 2025 में ही यह दावा कर दिया था कि मसूद अजहर और हाफिज सईद, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बदले में, भारत में अपने स्लीपर सेल्स के जरिए हमले करवाएंगे। दिल्ली में धमाके के ठीक अगले दिन, 11 नवंबर को पाकिस्तान में भी एक धमाका हुआ, जिससे यह शक गहरा गया है कि यह सब अपनी करतूतों पर पर्दा डालने की एक सोची-समझी चाल थी।

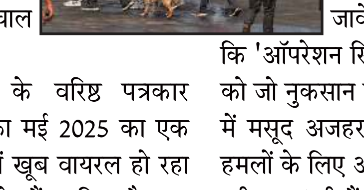

पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार जावेद चौधरी का मई 2025 का एक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है, जिसने सबको चौंका दिया है। इस वीडियो में जावेद चौधरी, जिन्हें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रकका बेहद करीबी माना जाता है, साफ-साफ भारत में भविष्य में होने वाले आतंकी हमलों की भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

उनकी बातों को इसलिए भी गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि उनका संबंध सीधे तौर पर पाकिस्तान की गोपनीय गतिविधियों से जोड़ा जाता है। वीडियो में जावेद चौधरी बता रहे हैं कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में मसूद अजहर को जो नुकसान हुआ है, उसके जवाब में मसूद अजहर ने भारत में आतंकी हमलों के लिए अपने स्लीपर सेल्स को पूरी छूट (फ्री हैंड) दे दी है। यानी, ये स्लीपर सेल्स अब भारत में हमले करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह वीडियो दिल्ली में हुए हालिया धमाके से कई महीने पहले का है, जो इस बात की ओर स्पष्ट इशारा करता है कि भारत के खिलाफ ये आतंकी साजिशें कोई अचानक हुई घटना नहीं, बल्कि इनकी जड़ें काफी गहरी और सुनियोजित हैं। यह पाकिस्तान की तरफ से भारत को एक खुली धमकी और उसकी आतंकी रणनीति का पदार्फाश करता है।

सूद अजहर और हाफिज सईदः 'फ्री हैंड' की घोषणा

जावेद चौधरी अपने वीडियो में यह भी खुलासा कर रहे हैं कि भारत द्वारा किए गए हमलों के बाद मौलाना मसूद अजहर ने बदला लेने का ऐलान किया है। वह कहते हैं, "मौलाना मसूद अजहर वो हैं, जिनसे इंडिया बड़ा घबराता क्योंकि उनकी जड़ें काफी गहरी हैं।

बिहार में आचार संहिता खत्म, चुनाव आयोग ने राज्यपाल को सौंपी 243 विधायकों की लिस्ट, इस दिन होगा शपथ ग्रहण?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव खत्म होते ही राजनीतिक हलचल अचानक तेज हो गई है। मतदान और मतगणना की लंबी प्रक्रिया के बाद राज्य में लागू आदर्श आचार संहिता को हटा दिया गया है। इसी के साथ चुनाव आयोग ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को 243 नवनिर्वाचित विधायकों की पूरी सूची सौंप दी है। अब गेंद राजभवन के पाले में है, जहां से नई सरकार के गठन की आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

राज्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल रविवार (16 नवंबर) शाम पटना स्थित राजभवन पहुंचे और सभी सीटों के विजेताओं की लिस्ट राज्यपाल को सौंपी। इस दौरान भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद भी मौजूद रहे। 6 अक्टूबर को चुनाव तारीखों का ऐलान

होते ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी, जो अब हट चुकी है।

चुनाव आयोग की औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही नई सरकार का रास्ता साफ होता दिख रहा है। आज 18वीं विधानसभा के गठन से जुड़ी अधिसूचना जारी होने की संभावना है। अधिसूचना के बाद चुनाव आयोग राज्यपाल को औपचारिक तौर पर नतीजों की जानकारी देगा।

इसके बाद सोमवार (17 नवंबर) को नीतीश कुमार की कैबिनेट की एक अहम बैठक होने वाली है, जिसमें 17वीं विधानसभा को भंग करने पर फैसला होने की उम्मीद है। उधर नई सरकार के गठन को लेकर एनडीए खेमे में भी मीटिंगों और रणनीतियों का दौर जारी है।

सबसे बड़ा सवाल अब यही है, नई सरकार का शपथ ग्रहण आखिर कब होगा? सूत्रों के मुताबिक इस बार शपथ ग्रहण समारोह पटना के गांधी मैदान में होने जा रहा है। वहां तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और 17 से 20 नवंबर तक आम लोगों का प्रवेश बंद कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत बीजेपी शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। अब पूरा इंतजार पीएम मोदी के शेड्यूल पर टिका है। माना जा रहा है कि 19 या 20 नवंबर को नई सरकार शपथ ले सकती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

मुंबई लोकल के यात्रियों को होगी भारी परेशानी, आज इन रूट्स पर रहेगा मेगाब्लॉक

(जीएनएस)।

मुंबई में रेलवे यात्रियों को रविवार को मेगाब्लॉक के कारण असुविधा का सामना करना पड़ेगा। मध्य रेलवे ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से विद्याविहार और पनवेल से वाशी के बीच मेगाब्लॉक की घोषणा की है।

वहीं, पश्चिम रेलवे पर बोरीवली से राम मंदिर के बीच भी ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान रेल पटरियों और सिग्नल प्रणालियों का रखरखाव किया जाएगा, जिसके चलते कुछ लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी और कुछ देरी से चलेंगी।

मध्य रेलवे के CSMT से विद्याविहार के अप और डाउन धीमी लाइनों पर सुबह 10:55 बजे से दोपहर 3:55 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इस अवधि में धीमी लाइन की लोकल ट्रेनों को अप और डाउन तेज लाइनों पर डायवर्ट किया जाएगा, जिससे कुछ सेवाएं रद्द हो सकती हैं या विलंबित हो सकती हैं।

हार्बर रेलवे लाइन पर पनवेल से वाशी के बीच अप और डाउन लाइनों पर सुबह 11:05 बजे से दोपहर 4:05 बजे तक मेगाब्लॉक रहेगा। जिसके चलते CSMT से पनवेल और ठाणे से पनवेल के बीच चलने वाली लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी। CSMT से वाशी और ठाणे से वाशी के बीच विशेष लोकल सेवाएं चलाई जाएंगी। बेलापुर-उरण लोकल सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पश्चिम रेलवे पर बोरीवली से राम मंदिर के बीच अप और डाउन तेज लाइनों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक ब्लॉक प्रभावी रहेगा। इस दौरान तेज लाइन की लोकल ट्रेनों को अप और डाउन धीमी लाइनों पर चलाया जाएगा, जिससे कुछ ट्रेनों के रद्द होने या देर से चलने की संभावना है।

तीन साल बाद शुरू हुआ उगाव स्हेशन

उगाव स्टेशन पर कोविड काल में बंद की गई रेल सेवा तीन साल बाद शुक्रवार (14 तारीख) को फिर से शुरू हुई। इसके लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, जिसके बाद न्यायालय ने रेलवे विभाग को स्टॉपेज देने का निर्देश दिया था। कई बार फॉलो-अप करने के बाद, अंततः निफाड़ तालुका के उगाव स्टेशन पर देवलाली-भुसावल और इगतपुरी-भुसावल इन दो ट्रेनों को ठहराव दिया गया। ग्रामवासियों ने देवलाली से भुसावल जाने वाली मेमू ट्रेन का पटाखे फोड़कर और फूलों की वर्षा कर स्वागत किया।

चिराग के इन 'टोटकों' से इण्डिया गठबंधन का निकला दम! 19 सीटें झटकीं-5 बिंदुओं में समझें गेम

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों ने सियासी 'पंडितों' की नींद उड़ा दी। एनडीए ने 200+ का आंकड़ा पार कर पूर्ण बहुमत नहीं, बल्कि 'सुपर बहुमत' हासिल किया। महागठबंधन महज 35 सीटों पर सिमट गया। लेकिन असली 'खेला' तो चिराग पासवान ने किया - 29 सीटों पर लड़ी उनकी लोजपा (रामविलास) ने 19 पर झंडा गाड़ दिया। स्ट्राइक रेट 65%+!

RJD को 23% वोट (1.15 करोड़) मिले, फिर भी सिर्फ 25 सीटें। चिराग को महज 5% वोट, फिर भी 19 सीटें। चिराग के इन 5 'टोटकों' ने RJD का दम निकाल दिया...

टोटका 1: नीतीश के मंच पर 'पैर छूना' = डेडली NDA कॉम्बो

2020 में चिराग का नारा था - 'मोदी तुझसे बैर नहीं, नीतीश तेरी खैर नहीं!' जदयू को 40+ सीटों का नुकसान कराया।

2025 में फिजा बदल गई, चिराग नीतीश के घर जाकर पैर छूते दिखे।

नतीजा? दलित + ईबीसी + कुर्मी वोट का परफेक्ट मेल। महागठबंधन की कमर टूट गई।

टोटका 2: माथे पर तिलक, हाथ में कलावा - दलितों को दिया 'हिंदुत्व का मैसेज'

चिराग हर रैली में- माथे पर बड़ा तिलक, हाथ में लाल कलावा के साथ नजर आए। युवा दलितों में मैसेज गया - 'हम रामविलास पासवान के बेटे हैं, लेकिन हिंदुत्व के साथ भी हैं'। पशुपति पारस गुट का दलित वोट

चिराग की झोली में आ गया। मायावती-मांझी की उम्र ढलान पर, चिराग बने नया दलित आइकन।

ड्रँ ढंर२६ल्ल ळङ्ग३ॅ

टोटका 3: सिर्फ 29 'विनिंग सीट्स' चुनीं - 2024 लोकसभा फॉर्मूला दोहराया

2020 में चिराग ने 135+ सीटें लड़ीं - सिर्फ 1 जीती।

2025 में स्मार्ट प्ले:-

सिर्फ 29 सीटें मांगीं

वो सीटें जहां पासवान + ईबीसी बाहुल्य

2024 में 5/5 लोकसभा सीटें जीती थीं, वही फॉर्मूला

स्ट्राइक रेट: 65%+ (RJD का 143 में से 25 = 17%)

टोटका 4: 100+ रैलियां + सोशल मीडिया तूफान - युवा दलितों का 'क्रश' बने चिराग

चिराग ने सिर्फ 29 सीटों के लिए ही नहीं, पूरे बिहार में 100+ रैलियां कीं

एप्स पर लाखों फॉलोअर्स

वीडियो वायरल: 'तेजस्वी की सरकार में दलितों का क्या हुआ?'

युवा दलित लड़के-लड़कियां चिराग के दीवाने। पासवान वोट 90%+ कंसोलिडेट हो गया।

टोटका 5: महागठबंधन से सीधे 17 सीटें छीनी - तेजस्वी के गढ़ में सेंध

चिराग की 19 में से 17 सीटें महागठबंधन के खाते से आईं।

तेजस्वी का ट (मुस्लिम-यादव) वोट तो बरकरार रहा, लेकिनः

दलित वोट चिराग को

ईबीसी वोट नीतीश को

महिला वोट मोदी योजनाओं को

तेजस्वी 110 सीटों पर दूसरे नंबर पर रहे - मतलब वोट तो लिए, लेकिन जीत किसी और की।

चिराग पासवानः 42 साल में बिहार के 'गेम चेंजर'

2011: बॉलीवुड डेब्यू ('मिले ना मिले हम')

2014: पापा को ठऊ्र में वापस लाए, जमुई से सांसद

2024: हाजीपुर से केंद्रीय मंत्री

2025: बिहार में तीसरा सबसे बड़ा ठऊ्र हीरो

RJD का वोट बैंक बरकरार है, लेकिन चिराग पासवान ने साबित कर दिया - राजनीति में टोटके भी चलते हैं। माथे पर तिलक, हाथ में कलावा, और दिमाग में स्मार्ट स्ट्रैटेजी - यही चिराग का असली 'जादू' है।

'90% स्ट्राइक रेट कैसे?', बिहार चुनाव परिणाम पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस ने "वोट चोरी" का गंभीर आरोप लगाते हुए एक वीडियो साझा किया, जिसने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत द्वारा साझा किए गए इस वीडियो में एक व्यक्ति कथित रूप से बता रहा है कि किस तरह वोट छेड़छाड़ और फर्जी मतदान हुआ।

कांग्रेस का दावा है कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से चुनावी प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाया गया है। राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों पर अब व्यापक बहस छिड़ चुकी है, खासकर तब जब नतीजों में इखढ+ की स्ट्राइक रेट ने कई संशय पैदा कर दिए हैं।

वोट चोरी का 'सबसे बड़ा सबूत' वायरल वीडियो

कांग्रेस द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक व्यक्ति कथित रूप से यह बताते हुए सुनाई देता है कि कैसे राजनीतिक दबाव में एक से अधिक वोट डाले गए। कांग्रेस इसे 'वोट चोरी' का पुख्ता सबूत बता रही है और दावा कर रही है कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया से खुला खिलवाड़ है। सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पूरी तरह मूकदर्शक बना रहा, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

90% स्ट्राइक रेट पर सवाल

कांग्रेस का तर्क है कि बेरोजगारी, महंगाई, पलायन और खराब कानून व्यवस्था के बीच इखढ गठबंधन का 90% स्ट्राइक रेट व्यवहारिक रूप से असंभव है। पार्टी का कहना है कि लाखों वोट हटाए और जोड़े गए, जिनमें फर्जी पते और बिना SIR फॉर्म के बने वोटर शामिल हैं। कांग्रेस पूछ रही है कि मतदान के बाद वोटरों की संख्या कैसे बढ़ गई। ये आंकड़े चुनावी ईमानदारी पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करते हैं।

राहुल गांधी के खुलासों पर क्यों हो रहा हमला?

कांग्रेस का आरोप है कि राहुल गांधी पर जानबूझकर हमला किया जा रहा है ताकि "वोट चोरी" के मुद्दे को दबाया जा सके। पार्टी कहती है कि राहुल गांधी ने फर्जी वोटिंग, डुप्लीकेट वोटर, फर्जी पते और बूथ पर लोगों को रोकने जैसी कार्रवाइयों के प्रमाण सामने रखे। कांग्रेस का दावा है कि इखढ, फ्रर और "पालतू मीडिया" मिलकर राहुल गांधी को कमजोर दिखाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि चुनावी धांधली पर उठे सवाल दब जाएं।

कांग्रेस की अपीलः 'सच को दबाया नहीं जा सकता'

सुप्रिया श्रीनेत का कहना है कि BJP ने चुनाव प्रबंधन को "संस्थागत" कर दिया है, लेकिन राहुल गांधी की ओर से जारी सबूतों के बाद अब इसे छिपाना मुश्किल होगा। पार्टी लोगों से आग्रह कर रही है कि वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाएं। कांग्रेस का दावा है कि बिहार चुनाव एक "खुला खेल फरुखाबादी" साबित हुआ है और समय आने पर पूरा सच सामने आ जाएगा-चाहे इसके लिए अकेला एक व्यक्ति ही क्यों न लड़ रहा हो।

प्रेग्नेंट भारती सिंह को हुई ये बीमारी, टेंशन में परिवार

(जीएनएस)।

फेमस कॉमेडियन और होस्ट भारती सिंह इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि इसी बीच उन्होंने खुलासा किया है कि उनका शुगर लेवल बढ़ा हुआ है जिसके कारण वह काफी तनाव में हैं।

प्रेग्नेंट भारती सिंह को हुई ये बीमारी

भारती सिंह ने अपने लेटेस्ट यूट्यूब व्लॉग में अपने हेल्थ को लेकर अपनी चिंताएं लोगों के साथ शेयर की हैं। व्लॉग में भारती ने कहा- मैं कंफ्यूज हूं क्योंकि मैं कुछ भी मीठा नहीं खा रही हूं। सुबह सिर्फ एक कप चाय पीती हूं, उसके अलावा कुछ नहीं। फिर भी शुगर क्यों बढ़ा हुआ है?

भारती ने कहा- मेरा शुगर लेवल कैसे बढ़ा सकता है?

भारती सिंह ने आगे कहा- हर्ष भी दुबई गए हैं, रात तक आएंगे और उनके बिना मुझे बहुत अकेलापन महसूस हो रहा है। मुझे रोना आ रहा है। उन्होंने बताया कि वह न तो स्ट्रेस ले रही हैं और न ही डाइट में कोई गलती कर रही हैं फिर भी शुगर लेवल कंट्रोल में नहीं है।

डॉक्टर ने भारती सिंह को लगाई फटकार

भारती सिंह ने आगे बताया कि डॉक्टर ने उन्हें इस हालत को लेकर डांटा है। भारती ने कहा- मैं अपनी डाइट को लेकर बहुत स्ट्रिक्ट हूं। गेहूं नहीं खा रही, सिर्फ मिलेट्स खा रही हूं। फिर भी ऐसा क्यों हो रहा है, समझ नहीं आ रहा। मुझे सबसे ज्यादा डर है कि इसका असर बेबी पर न पड़े।

दूसरी बार मां बनने जा रही हैं भारती सिंह

आपको बता दें कि भारती सिंह दूसरी बार मां बनने वाली हैं। वह पहले से एक बेटे-गोला, की मां हैं। हाल ही में वह अपनी फैमिली के साथ स्विट्जरलैंड गई थीं, जहां उन्होंने बेहद खास अंदाज में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी।

भारती ने काम से नहीं लिया ब्रेक

-स्वास्थ्य चुनौतियों के बावजूद भारती सिंह ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ भी संतुलित रख रही हैं। उन्होंने जल्द ही अपने नए शो लाफ्टर शेफ की शूटिंग भी शुरू कर दी है।

-पिछली प्रेग्नेंसी के दौरान भी भारती ने लगातार काम किया था और डिलीवरी के कुछ दिन बाद ही सेट पर लौट आई थीं। भारती सिंह का कहना है- मुझे काम करना बहुत पसंद है।

भोपाल के मंच पर पत्नी साधना सिंह की तारीफ से भावुक हुए शिवराज सिंह चौहान, जानिए पूरा मामला

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बार फिर अपनी सादगी और पारिवारिक मूल्यों का अनोखा प्रदर्शन किया। रवींद्र भवन में अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा के दीपावली मिलन समारोह के दौरान उन्होंने भरे मंच पर अपनी पत्नी साधना सिंह चौहान की खुलकर तारीफ की।

साधना सिंह द्वारा संचालित 'संभावना कोचिंग क्लास' के जरिए गरीब बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के उनके प्रयासों को रेखांकित करते हुए चौहान ने कहा कि जीवन तभी सार्थक होता है, जब वह दूसरों के काम आए। यह तारीफ न केवल एक पति की भावनाओं का इजहार थी, बल्कि समाज सेवा को प्रोत्साहन देने वाला संदेश भी।

पत्नी साधना सिंह की तारीफ से भावुक हुए शिवराज सिंह चौहान

दीपावली मिलन समारोहः किरार समाज की एकजुटता का प्रतीक

अखिल भारतीय किरार क्षत्रिय महासभा द्वारा आयोजित इस समारोह में मध्य प्रदेश के किरार समाज के हजारों सदस्य एकत्र हुए। दीपावली के पावन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सामूहिक भोज और संकल्प सत्र के बीच मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे शिवराज सिंह चौहान ने अपने संबोधन में समाज के योगदान को सराहा। उन्होंने कहा, "किरार क्षत्रिय समाज हमेशा से देश की सेवा में अग्रणी रहा है। दीपावली हमें न केवल प्रकाश का त्योहार सिखाती है, बल्कि एकता और सेवा का भी संदेश देती है।"

समारोह की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें साधना सिंह चौहान ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साधना सिंह, जो किरार

महासभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं, ने समाज की महिलाओं को संबोधित करते हुए शिक्षा और सशक्तिकरण पर जोर दिया। 2018 में भोपाल के दशहरा मैदान में हुए किरार महासभा में उनकी नेतृत्व क्षमता की झलक देखने को मिली थी, जहां एक लाख से अधिक लोग जुटे थे।

साधना सिंह की तारीफः संभावना कोचिंग का जिक्र, डिप्टी कलेक्टर बने भुवनेश का उदाहरण

अपने संबोधन के दौरान शिवराज सिंह चौहान भावुक हो उठे। उन्होंने पत्नी साधना सिंह के सामाजिक कार्यों का जिक्र करते हुए कहा, "साधना जी ने समाज के गरीब बच्चों को ठीक से कोचिंग देने, उन्हें ढंग से पढ़ाने और अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 'संभावना कोचिंग क्लास' शुरू की। जितनी तल्लीनता के साथ मैंने साधना जी को काम करते हुए देखा, कोचिंग में पढ़ने वाले बच्चे जानते हैं। इनमें से कई का चयन भी हुआ है। इनमें से एक भुवनेश, जो यहां सामने खड़े हैं, डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित हुए हैं।"

चौहान ने आगे जोर देकर कहा, "अगर हमारा जीवन दूसरों के काम आ जाए, अपने बच्चों, समाज और लोगों के काम आ जाए, तो वही जीवन सार्थक है। जीना उसी का जीना है, जो औरों को जीवन देता है, वही जीवन का सच्चा अर्थ है।" मंच पर मौजूद भुवनेश ने चौहान का आभार माना और बताया कि साधना मैम की मेहनत के बिना यह सफलता असंभव थी। यह क्षण समारोह का सबसे भावुक पल साबित हुआ, जहां दर्शक तालियों से उनका स्वागत करने लगे।

'संभावना कोचिंग क्लास' साधना सिंह का एक सामाजिक उद्यम है, जो विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को मुफ्त या नाममात्र शुल्क पर तैयारी कराता है। भोपाल और आसपास के जिलों में सक्रिय यह संस्था अब तक सैकड़ों छात्रों को सरकारी नौकरियों के लिए तैयार कर चुकी है। साधना सिंह, जो किरार समाज की पहली महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं, ने हमेशा महिलाओं और युवाओं के उत्थान पर फोकस किया है।

शिवराज-साधना का साथः राजनीति से परे सामाजिक मूल्य

शिवराज सिंह चौहान और साधना सिंह का वैवाहिक जीवन हमेशा से सुर्खियों में रहा है। 1989 में हुई उनकी शादी के बाद साधना ने कभी राजनीति के केंद्र में आने की बजाय पर्दे के पीछे से पति का साथ दिया। हाल ही में 2025 की दीपावली पर साधना ने परिवार के साथ 'माढ़ना' (मिट्टी के बर्तन बनाना) की परंपरा निभाई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इसी तरह, धनतेरस पर चांदी का सिक्का खरीदते समय चौहान का मजाकिया अंदाज-"महंगा होगा तो छोटा वाला ले लेंगे"-भी चर्चा का विषय बना।

परिवार के अन्य सदस्यों में बड़े बेटे कार्तिकेय और छोटे बेटे कुणाल भी सक्रिय हैं। हाल ही में कार्तिकेय की शादी जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में धूमधाम से हुई, जहां शिवराज-साधना ने संगीत में डांस कर उत्साह बिखेरा। साधना सिंह ने शिवराज के जन्मदिन पर भावुक पोस्ट शेयर कर लिखा था, "जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं, कार्तिकेय-कुणाल के पापा।"

सेवा ही सच्ची सफलता

इस तारीफ के जरिए चौहान ने न केवल पत्नी के कार्यों को सम्मान दिया, बल्कि समाज को प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पद से अधिक महत्वपूर्ण है सामाजिक योगदान। किरार महासभा के अध्यक्ष ने भी साधना सिंह को 'समाज की प्रेरणा' बताते हुए सम्मानित किया। समारोह के अंत में सभी ने सेवा और एकता का संकल्प लिया।

'परिवार से नाता तोड़ रही हूं', कौन हैं लालू की लाडली बेटी रोहिणी आचार्य के पति? क्या करते हैं लालू के दामाद?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों के बाद केवल राजद ही नहीं बल्कि लालू के परिवार में भी उथल-पुथल मची हुई है, शनिवार को लालू की लाडली बेटी रोहिणी आचार्य ने जब राजनीति छोड़ने और परिवार से नाता तोड़ने की बात कही तो लालू फैमिली की अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई, जिसने सियासी गलियारों से लेकर सोशल मीडिया पर खलबली पैदा कर दी।

इससे पहले लालू ने मई 2025 में जब तेज प्रताप यादव को पार्टी-परिवार से बेदखल किया था तो उसके बाद भी तेज लगातार जयचंदों का नाम लेते रहे लेकिन खुलकर कभी कुछ नहीं कहा बल्कि अपनी अलग पार्टी बना ली।

लेकिन रोहिणी ने खुलकर चुनावों में करारी हार, पार्टी की दुर्दशा और परिवार से आउट होने के लिए संजय यादव, रमीज नेमत और तेजस्वी यादव का नाम लिया है, आपको बता दें कि शनिवार को उन्होंने एक्स पर लिखा- 'मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं..संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था... और मैं सारा दोष अपने ऊपर ले रही हूं।'

'सारा देश पूछ रहा है कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ'

उनका गुस्सा यहीं नहीं रूका उन्होंने आगे कहा कि 'सारा देश पूछ रहा है कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों

हुआ? लेकिन अगर आप इनके नाम ले लीजिए तो आपको बदनाम किया जाएगा, गाली दिलवाई जाएगी, यहां तक कि आपके ऊपर चप्पल उठाकर मारा जाएगा।'

लालू यादव को किडनी देकर दिया था जीवनदान

आपको बता दें कि साल 2022 में अपने पिता लालू यादव को किडनी देकर दूसरा जीवनदान देने वाली रोहिणी का जन्म 1 जून 1979 को पटना में हुआ था और वो लालू-रबड़ी की दूसरी संतान हैं। उन्होंने एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर से MBBS की डिग्री ली थी लेकिन कभी भी डॉक्टर बनकर प्रैक्टिस नहीं की।

साल 2002 में रोहिणी की हुई थी समरेश सिंह से शादी

उनके पति का नाम समरेश सिंह है, जिनसे उनकी शादी 2002 में हुई थी। समरेश ने हिंदू कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से स्नातकोत्तर किया है। इसके अलावा, उन्होंने इंस्टिट्यूट यूरोपियन डी'एडमिनिस्ट्रेशन डेस अफेयर्स (INSEAD) बिजनेस स्कूल से टइअ किया था।

सिंगापुर में प्रबंध निदेशक हैं रोहिणी के पति

समरेश सिंह के पिता राव रणविजय सिंह, रिटायर्ड इनकम टैक्स ऑफिसर थे और लालू यादव के मित्र थे, इसी वजह से रोहिणी की शादी समरेश सिंह हुई थी, फिलहाल वो वर्तमान में सिंगापुर में एवरकोर पार्टनर्स में प्रबंध निदेशक हैं और इसी कारण रोहिणी सिंगापुर में रहती हैं। इस कपल को तीन बच्चे (दो बेटा और एक बेटी) है।

नेट वर्थ

रोहिणी ने 2024 का लोकसभा चुनाव भी लड़ा लेकिन वह भाजपा के राजीव प्रताप रूडी से पराजित हो गई थीं। सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहने वाली रोहिणी 8.83 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं तो वहीं उनके पति के पास 8.08 करोड़ की संपत्ति है।चल और अचल संपत्ति को मिलाकर उनकी कुल संपत्ति लगभग 15 करोड़ रुपये के पास है, हलफनामे के मुताबिक रोहिणी समाज सेवा में सक्रिय हैं और उनकी अपनी वार्षिक आय 6.8 करोड़ रुपये है।

तेजस्वी यादव के काफी करीबी हैं संजय यादव

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, राजद के राज्यसभा सांसद संजय यादव को उनके भाई तेजस्वी यादव के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक माना जाता है। वहीं, रमीज आलम तेजस्वी के पुराने दोस्त हैं और पड़ोसी उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। रोहिणी का पहले भी संजय के साथ विवाद हुआ था। एचटी की रिपोर्ट के अनुसार, तेजस्वी की यात्रा के दौरान संजय के Expedition Vehicle की अगली सीट पर बैठने पर उन्होंने आपत्ति जताई थी।

हिंदू एकता यात्रा में 'जय सियाराम' का जयघोष करने वाली शिल्पा शेट्टी

(जीएनएस)।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने 7 नवंबर से सनातन हिंदू पदयात्रा की शुरूआत की थी, जिसका समापन आज है, इस 150 किलोमीटर लंबी सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में कई फिल्मी हस्तियों ने शरकत की, जिसमें बॉलीवुड हसीना शिल्पा शेट्टी का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है।

मथुरा पहुंची पदयात्रा में शामिल हुई शिल्पा शेट्टी ने कहा ' ये यात्रा अपने आप में काफी अलौकिक है, ये हिंदुओं को एकजुट करने की पहल है, बागेश्वर बाबा बहुत सारे अच्छे काम करवा रहे हैं, वे अन्नपूर्णा रसोई चलाते हैं, गरीब बेटियों की शादी करवाते हैं, ये पदयात्रा ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर रही है।'

'मुझे गर्व है कि मैं मैं एक क्षत्रिय हूं, मुझे गर्व है कि मैं हिंदू हूं, सभी लोग मेरे साथ 'जय सियाराम'का उद्घोष कीजिए। आपको बता दें कि पीले रंग के सूट पहने शिल्पा शेट्टी पूरी तरह से सनातनी अंदाज में नजर आईं।

फिटनेस आईकॉन भी हैं

फिल्म 'बाजीगर' से रूपहले पर्दे पर कदम रखने वाली शिल्पा शेट्टी फिटनेस आईकॉन भी हैं। अपने फिल्मी करियर में कई सुपरस्टार संग काम करने वाली बॉलीवुड की 'धड़कन' गर्ल शिल्पा शेट्टी मूल रूप से कर्नाटक के मैंगलोर से आती हैं।

तुलु भाषी बंत परिवार से ताल्लुक रखती हैं

वो एक तुलु भाषी बंत परिवार से ताल्लुक रखती हैं, गौरतलब है कि तुलु भाषी बंत परिवार तुलुनाडु (दक्षिणी तटीय कर्नाटक और केरल का कासरगोड जिला) की ओर से आता है। बंत ग्रुप पारंपरिक रूप से योद्धा वर्ग से संबंधित है जो कि विजयनगर के तुलुवा राजवंश से जुड़े हुए थे, बंत क्षत्रिय वंश और फॉरवर्ड जाति के रूप में जाने जाते हैं, आपको बता दें कि समुदाय मातृवंशीय प्रणाली का पालन करता है, जिसका अर्थ यह है कि इस वंशावली में संपत्ति मां से बेटी को मिलती है।

समुदाय की संस्कृति पर गर्व है

बंत लोग तुलु और कन्नड भाषा बोलते हैं, मालूम हो कि शिल्पा की मां सुनंदा और दिवंगत पिता सुरेंद्र शेट्टी जो दवा उद्योग से जुड़े थे। उनकी छोटी बहन शमिता शेट्टी भी एक अभिनेत्री हैं। शिल्पा ने कई इंटरव्यू में अपनी दक्षिण भारतीय जड़ों और अपने समुदाय की संस्कृति को लेकर गर्व व्यक्त किया है।

फिल्म बाजीगर' से शिल्पा ने बॉलीवुड में एंट्री की

शिल्पा ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत की। फिल्म बाजीगर' से शिल्पा ने बॉलीवुड में एंट्री की और इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जिनमें प्रमुख हैं-

मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी (1994)

धड़कन (2000)

रिश्ते (2002)

इंटरनेशनल खिलाड़ी (1999)

लाइफ इन अ... मेट्रो (2007)

फिल्म 'धड़कन' से उन्हें खास पहचान मिली और 'लाइफ इन अ... मेट्रो' के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का फि ल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।

बिग ब्रदर जीतकर बनी अंतरराष्ट्रीय स्टार

साल 2007 में शिल्पा ब्रिटेन के लोकप्रिय रियलिटी शो ड्ढ इ१ङ्गश्ै१ में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुईं और उन्होंने यह शो जीतकर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बटोरीं।

कौन है हरियाणा की डॉक्टर प्रियंका शर्मा? आदिल के खुलासे के बाद पुलिस हिरासत में, बरामद फोन में क्या मिला?

(जीएनएस)।

दक्षिण कश्मीर के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में तैनात हरियाणा की एक महिला डॉक्टर प्रियंका शर्मा (ऊ१ ढ१८ल्ल' रँ१'), अचानक सुर्खियों में आ गई हैं। उन्हें जम्मू और कश्मीर पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस टीमों ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

अधिकारियों का मानना है कि डॉ. शर्मा एक ऐसे 'व्हाइट-कॉलर' आतंकी मॉड्यूल के पदचिह्न का हिस्सा हैं, जिसके तार जम्मू-कश्मीर (खें४ ल्ल्ग ङ१ँ१) से लेकर नई दिल्ली तक फैले हुए हैं। यह चौंकाने वाली घटना दिखाती है कि आतंक का जाल अब पेशेवर और शैक्षणिक हल्कों तक कैसे पहुंच गया है।

पुलिस ने कैसे लगाया सुराग?

डॉ. प्रियंका शर्मा हरियाणा के रोहतक की निवासी हैं और जीएमसी अनंतनाग में काम कर रही थीं। उन्हें अनंतनाग के मलकनाग इलाके में उनके किराए के आवास से हिरासत में लिया गया। उनका नाम एक पूर्व जीएमसी अनंतनाग स्टाफकर्मी, आदिल, की गिरफ्तारी के बाद सामने आया।

अदील से पूछताछ में अधिकारियों को उन लोगों की ओर इशारा मिला जो कथित तौर पर आतंकी मॉड्यूल को लॉजिस्टिक या वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे थे। इसी कड़ी में, कॉल डिटेल ट्रेल (उऊ्फ्र) की जांच ने पुलिस को सीधे डॉ. शर्मा के आवास तक पहुंचा दिया। पुलिस ने उनके परिसर से एक

मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया है, जिसे अब फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

अ'२ङ्ग र्फी

अंतर-राज्यीय जांच का दायरा

डॉ. प्रियंका शर्मा की हिरासत उस मल्टी-एजेंसी जांच का एक हिस्सा है जिसका दायरा लगातार बढ़ रहा है।

हरियाणा टीम की भूमिकाः अधिकारियों के अनुसार, हरियाणा से एक टीम डॉ. शर्मा के बैकग्राउंड वेरिफिकेशन के लिए अनंतनाग पहुंचने वाली है।

लाल किला ब्लास्ट से कनेक्शनः यह नई गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा लाल किला ब्लास्ट की जांच के दौरान हुई है, जिसमें इस महीने की शुरूआत में 13 लोगों की मौत हो गई थी। इस ब्लास्ट के संबंध में हरियाणा के अल-फलाह विश्वविद्यालय के दो डॉक्टरों सहित तीन लोगों को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

अन्य गिरफ्तारियांः गिरफ्तार किए गए दो डॉक्टर, मोहम्मद और मुस्तकीम, कथित तौर पर पहले से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई के संपर्क में थे, जो इसी "व्हाइट-कॉलर" मॉड्यूल का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश में छानबीनः कश्मीर से मिले सुरागों ने उत्तर प्रदेश में भी हलचल पैदा कर दी है, जहां लगभग 200 कश्मीरी मूल के मेडिकल छात्र और डॉक्टर एटीएस के रडार पर हैं। कानपुर, लखनऊ, मेरठ और सहारनपुर सहित अन्य शहरों के शैक्षणिक संस्थानों की भी जांच की जा रही है।

विस्फोटक खरीद और पैसों का लेन-देन

जांच में सामने आया है कि इस मॉड्यूल के सदस्यों ने विस्फोटक सामग्री खरीदने के लिए कथित तौर पर लगभग 26 लाख रुपये जमा किए थे, जिसमें से 3 लाख रुपये ठढङ खाद (उर्वरक) खरीदने पर खर्च किए गए थे। हरियाणा में दिनेश उर्फ डब्बू नामक एक व्यक्ति को अवैध रूप से खाद बेचने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। अधिकारी जाँच कर रहे हैं कि क्या दिनेश ने यह खाद सप्लाई की थी।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में शुरू में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था, जिसे अब व्यापक साजिश की जाँच के लिए राष्ट्रीय जाँच एजेंसी को सौंप दिया गया है।

एनडीए की प्रचंड जीत पर निशांत की प्रतिक्रिया, पिता की जीत पर नीतीश कुमार के बेटे ने क्या कहा?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 ने एक बार फिर राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अप्रत्याशित प्रदर्शन करते हुए 202 सीटों पर शानदार जीत हासिल की, जबकि महागठबंधन मात्र 35 सीटों पर सिमट गया।

पूरे बिहार में एनडीए के कार्यकताओं और नेताओं में भारी उत्साह है, वहीं विपक्षी खेमे में गंभीर आत्ममंथन का दौर चल रहा है। यह नतीजे इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि जनता ने इस बार विकास आधारित नेतृत्व को बड़े पैमाने पर वोट दिया है।

निशांत कुमार का बयानः "20 साल के विकास कार्यों का सम्मान है यह जीत"

चुनावी परिणाम सामने आने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने जिस तरह एनडीए पर भरोसा जताया है, वह लंबे समय से किए जा रहे विकास कार्यों का प्रत्यक्ष परिणाम है।

निशांत कुमार ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि एनडीए को बेहतर जनादेश मिलेगा, लेकिन जो जनसमर्थन मिला है, वह उनकी उम्मीदों से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि जनता ने पिछले दो दशकों में

हुए बदलाव और विकास की दिशा में उठाए गए कदमों को ईमानदारी से परखा है और उसी विश्वास के साथ एनडीए को इतने बड़े अंतर से जीत दिलाई है।

प्रचंड जीत ने क्यों बदला चुनावी समीकरण

एनडीए की इस ऐतिहासिक जीत ने पूरे चुनावी परिदृश्य को नई दिशा दे दी है। चुनाव से पहले राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा यह माना जा रहा था कि मुकाबला कड़ा होगा, लेकिन नतीजों ने सभी अनुमानों को उलट दिया। बिहार की जनता ने जिस तरह अलग-अलग क्षेत्रों और सामाजिक समूहों में एकजुट होकर एनडीए को वोट दिया।

मतदान ने यह साबित कर दिया कि विकास की राजनीति ने जातिगत समीकरणों को कहीं पीछे छोड़ दिया। नीतीश कुमार की विकास, सुशासन और स्थिर प्रशासन की छवि इस जनादेश का केंद्र रही। दूसरी ओर, महागठबंधन आंतरिक असहमति, कमजोर रणनीतिक तैयारी और नेतृत्व की अस्पष्टता के कारण जनता में विश्वास पैदा करने में विफल रहा।

महागठबंधन की करारी हारः सीमित मुद्दे और कमजोर पकड़

महागठबंधन की मात्र 35 सीटों पर सिमटना उसके लिए करारा झटका मानी जा रही है। कई परंपरागत गढ़ों में भी वह अपनी जमीन बचाने में नाकाम रहा। नेता प्रतिपक्ष के रूप में जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने न ला पाने, सीट-वितरण में आखिरी समय तक जारी विवाद और चुनाव प्रचार में एकजुटता की कमी जैसे कारकों ने उसके प्रदर्शन को कमजोर किया।

एनडीए में जश्न का माहौल, आगे विकास की गति और तेज करने का दावा

युवा और महिला मतदाताओं के बड़े हिस्से ने महागठबंधन से दूरी बनाए रखी, जिसे चुनावी परिणामों में साफ तौर पर देखा जा सकता है। एनडीए की जीत के बाद बिहार भाजपा और जेडीयू कार्यालयों में जश्न का माहौल बना हुआ है। कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ जीत का स्वागत किया। नेताओं का कहना है कि यह जनादेश बिहार की स्थिर सरकार और विकासपरक राजनीति में लोगों के भरोसे का परिणाम है।

नीतीश कुमार भी कई बार कह चुके हैं कि आने वाले समय में राज्य में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और

बिहार चुनाव हारकर भी सत्ता के खेल में कूदे तेज प्रताप! एनडीए को दिया समर्थन, बहन रोहिणी को लेकर भी बड़ा फैसला

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में तेज प्रताप यादव एक बार फिर चर्चा में हैं। 2025 के विधानसभा चुनाव में करारी हार झेलने के बाद भी तेज प्रताप ने ऐसा कदम उठाया है जिसने सबको हैरान कर दिया है। उनकी नवगठित पार्टी जनशक्ति जनता दल (JJD) ने एनडीए (NDA) सरकार को नैतिक समर्थन देने का फैसला किया है। इसके साथ ही बहन रोहिणी आचार्य को लेकर भी तेज प्रताप ने बड़ा बयान दिया है, जो यह साफ दिखाता है कि लालू परिवार की अंदरूनी राजनीति अब पूरी तरह खुल चुकी है।

NDA को नैतिक समर्थन देकर तेज प्रताप ने दिया बड़ा संदेश

JJD की अहम बैठक में तेज प्रताप ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी मौजूदा एनडीए सरकार को नैतिक रूप से समर्थन देगी। उन्होंने साफ कहा कि राज्य हित उनके लिए सबसे ऊपर है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम यादव ने बताया कि तेज प्रताप इस फैसले को लंबे समय से सोच रहे थे।

यह कदम इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे यह स्पष्ट होता है कि तेज प्रताप अब पूरी तरह लालू परिवार और आरजेडी की राजनीति से अलग अपनी पहचान बनाना चाहते हैं।

रोहिणी को पार्टी संरक्षक बनाने की तैयारी

बैठक के दौरान तेज प्रताप ने एक और चौंकाने वाला प्रस्ताव रखा है। रोहिणी आचार्य को खखऊ का राष्ट्रीय संरक्षक बनाने का सुझाव। प्रेम यादव ने कहा कि तेज प्रताप जल्द ही रोहिणी

से इस विषय पर बात करेंगे और उन्हें पार्टी का चेहरा बनने की विनती करेंगे। रोहिणी हाल ही में तेजस्वी यादव और संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाने के बाद सुर्खियों में आई हैं। तेज प्रताप का यह फैसला बताता है कि वे अपनी बहन के साथ हो रहे विवाद को राजनीतिक मजबूती में बदलना चाहते हैं।

चुनाव में करारी हार, लेकिन राजनीति में एक्टिव तेज प्रताप

तेज प्रताप ने इस चुनाव में अपनी नई पार्टी JJD के टिकट पर महुआ सीट से चुनाव लड़ा था। उन्होंने पूरे राज्य में 21 उम्मीदवार उतारे, लेकिन कोई भी सीट हाथ नहीं लगी। महुआ सीट पर तेज प्रताप तीसरे नंबर पर रहे। उनसे आगे एलजेपी (राम विलास) के संजय कुमार सिंह और RJD के मुकेश रोशन रहे। हालांकि हार के बाद भी तेज प्रताप ने कहा कि वे जनता का फैसला स्वीकार करते हैं और सकारात्मक राजनीति जारी रखेंगे। इसी के तहत उन्होंने NDA को समर्थन देने का फैसला लिया है।

बिहार में सरकार गठन की हलचल तेज

दूसरी ओर पटना में सरकार गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। NDA की भारी जीत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर 16 नवंबर की सुबह से हलचल दिखी। केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उपेंद्र कुशवाहा और विजय सिन्हा सीएम हाउस पहुंचे और मंत्रिमंडल गठन पर चर्चा की।

सूत्रों का दावा है कि मंत्रियों के बंटवारे पर फॉमूर्ला लगभग तय हो चुका है, जिसके बाद उपेंद्र कुशवाहा और विजय सिन्हा दिल्ली रवाना भी हो गए हैं। चिराग पासवान और जीतनराम मांझी भी दिल्ली जा सकते हैं। उधर देरी से पहुंचने पर हरि सहनी को सीएम हाउस में एंट्री नहीं मिली, जिसे लेकर भी हलचल बढ़ गई है।

नीतीश ने सोमवार विधायक दल की बैठक बुलाई

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सभी विधायकों को पटना बुलाया है। कल (17 नवंबर) शाम तक विधायक दल की बैठक हो सकती है। जिसमें सीएम शपथ समारोह की तारीख, मंत्रियों के नाम और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी।

सोमवार (17 नवंबर) को मौजूदा सरकार की अंतिम कैबिनेट बैठक भी होगी और विधानसभा भंग करने की सिफारिश की जाएगी। माना जा रहा है कि नई सरकार 18 से 20 नवंबर के बीच शपथ ले सकती है। शपथ समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो सकते हैं।

जेडीयू के संजय कुमार झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह दिल्ली में अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात कर चुके हैं। यह मुलाकात साफ करती है कि मंत्रिमंडल का फॉमूर्ला लगभग तय है।

एसएस राजामौली की 'वाराणसी' का धमाकेदार टीजर रिलीज, दिखा महेश बाबू का 'रूद्र' अवतार

(जीएनएस)।

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार महेश बाबू और फेमस डायरेक्टर एसएस राजामौली की मच-अवेटेड फिल्म 'वाराणसी' का धमाकेदार टीजर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है। लोगों को ये टीजर काफी पसंद आ रहा है।

फिल्म 'वाराणसी' का धमाकेदार टीजर रिलीज

गत 15 नवंबर 2025 को हैदराबाद में आयोजित एक ग्रैंड इवेंट में फिल्म के टाइटल से लेकर टीजर तक का अनावरण किया गया। इवेंट में महेश बाबू ने खास अंदाज में एंट्री ली और बैल की सवारी करते दिखाई दिए। इस मौके पर प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मौजूद थे।

टीजर में दिखा महेश बाबू का 'रूद्र' अवतार

टीजर लॉन्च के साथ ही मेकर्स ने महेश बाबू का फर्स्ट लुक भी पेश किया है जिसमें वह कुर्ता-पायजामा पहने, हाथ में त्रिशूल लिए रूद्र के अवतार में नजर आ रहे हैं। फिल्म के टीजर में महेश बाबू की एंट्री बेहद प्रभावशाली दिखाई गई है।

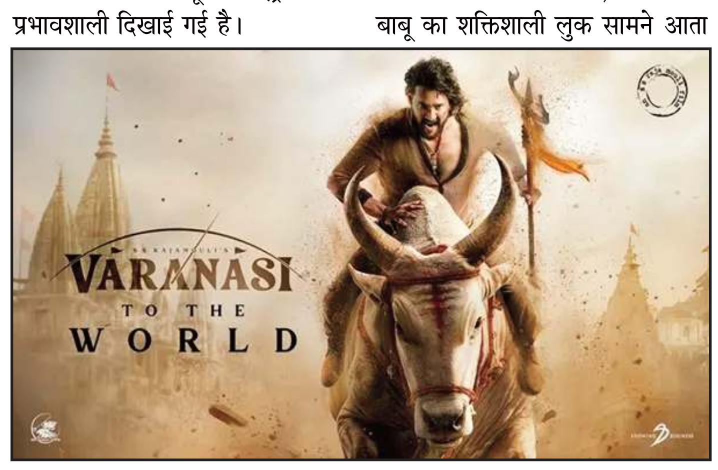

कहानी का कैनवास काफी बड़ा रखा गया है

फिल्म की कहानी का कैनवास काफी बड़ा रखा गया है। टीजर की शुरूआत 512 CE की वाराणसी से होती है। इसके बाद दर्शकों को अंटार्कटिका,अफ्रीका के जंगल, हनुमान जी और श्रीराम की वानर सेना और रावण के साथ युद्ध जैसे दमदार दृश्य देखने को मिलते हैं। अंत में कथा फिर से वाराणसी लौटती है, जहां महेश बाबू का शक्तिशाली लुक सामने आता है।

लोगों ने कहा- राजामौली का अगला मास्टरपीस

फिल्म 'वाराणसी' का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है। फिल्म के विजुअल्स को लेकर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं। किसी ने इसे अवतार का बाप बताया है तो किसी ने इसे राजामौली का अगला मास्टरपीस कहा है। एक यूजर ने लिखा है- क्या शानदार विजुअल्स हैं, थिएटर्स में बड़ा धमाका होने वाला है।

प्रियंका चोपड़ा का एक्शन अवतार भी छाया

फिल्म में प्रियंका चोपड़ा फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी। वह मंदाकिनी के किरदार में दिखाई देंगी। उनका फर्स्ट लुक भी जारी किया गया है जिसमें वह साड़ी पहनकर बंदूक चलाते हुए बेहद दमदार अंदाज में दिख रही हैं। सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा का ये अवतार खूब पसंद किया जा रहा है।

साल 2027 में रिलीज होगी फिल्म

साउथ के फेमस डायरेक्टर एसएस राजामौली की ये बिग-बजट फिल्म 'वाराणसी' साल 2027 के मकर संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में साउथ के फेमस एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन भी एक अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

'नीतीश कुमार की जगह कोई और ले रहा है निर्णय', खान सर ने बिहार के सीएम को लेकर किया बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में NDA को मिली लैंडस्लाइड विक्ट्री के बाद अब राज्य में नई सरकार के गठन की सुगबुगाहट तेज हो गई है। बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर जारी संशय के बीच पटना वाले चर्चित यूट्यूबर और शिक्षक खान सर ने नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर एक बड़ा बयान दिया है।

समाचार एजेंसी अठक को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में, खान सर ने साफ तौर पर कहा कि मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण उनके स्थान पर कोई और व्यक्ति महत्वपूर्ण निर्णय ले रहा है।

'शेर भी एक समय पर बूढ़ा हो जाता है'

जब खान सर से पूछा गया कि क्या वह कभी नीतीश कुमार से मिले हैं, तो उन्होंने बिना किसी हिचक के स्वीकार किया कि वह कई बार उनसे मिल चुके हैं।

खान सर ने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार के विकास के लिए बहुत काम किया है, लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि 'शेर भी एक समय पर बूढ़ा हो जाता है।' उन्होंने स्वीकार किया कि मुख्यमंत्री

का स्वास्थ्य अब पहले जैसा नहीं रहा है, जिसकी वजह से उनके फैसलों में किसी और का हस्तक्षेप दिख रहा है।

'जब तक जिएंगे, तब तक सीएम रहेंगे नीतीश!'

एंकर ने जब खान सर से यह सवाल किया कि क्या पार्टी के पास नीतीश कुमार के अलावा कोई और वैकल्पिक चेहरा नहीं है (या बीजेपी के पास भी कोई मजबूत चेहरा नहीं है), तो इस पर खान सर ने सीधा जवाब दिया। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि जब तक नीतीश कुमार जिएंगे, तब तक वही बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

बिहार में वोटों से ठीक पहले 10 हजार महिलाओं को कैसे मिले? जन सुराज ने हार के बाद किया अब चौंकाना वाला दावा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों के बाद राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज है। जन सुराज पार्टी के प्रवक्ता पवन वर्मा ने एक ऐसा दावा किया है जिसने पूरे राजनीतिक माहौल में हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले बिहार की महिलाओं को बांटे गए 10-10 हजार रुपये किसी दूसरी योजना के लिए वर्ल्ड बैंक से मिले फंड से दिए गए।

उनका कहना है कि यह पैसा एक घंटे पहले तक भी खाते में नहीं था,लेकिन मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू होने से ठीक पहले 14,000 करोड़ रुपये की निकासी की गई और फिर 1.25 करोड़ महिलाओं के खाते में 10,000 रुपये डाल दिए गए।

दिल्ली में मीडिया से बातचीत में पवन वर्मा ने कहा,"प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) खुद 'रेवड़ी कल्चर' की आलोचना करते हैं, लेकिन बिहार में क्या हुआ? राज्य का कर्ज पहले ही 4.06 लाख करोड़ है और रोजाना 63 करोड़ का ब्याज देना पड़ता है। हमें जानकारी मिली है कि 21,000 करोड़ रुपये वर्ल्ड बैंक किसी और प्रोजेक्ट के लिए भेजा था। और उसी में से चुनाव से पहले 14,000 करोड़ निकाल लिए गए।"

उन्होंने आगे कहा कि चुनाव से पहले सरकारी खजाने का इस तरह इस्तेमाल कितना नैतिक है, यह बड़ा सवाल है। उनका कहना था कि अन्य राज्यों में भी आने वाले चुनावों में ऐसा हो सकता है।

जब उनसे पूछा गया कि जन सुराज को बिहार चुनाव में क्या नुकसान हुआ, तो उन्होंने कहा कि पार्टी का संदेश सही था और नीयत पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता।

लिजेंड्री एक्टर धर्मेंद्र के हेल्थ को लेकर बड़ी खबर, देओल परिवार ने धर्मेंद्र को लेकर किया ये बड़ा फैसला

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के लिजेंड्री एक्टर धर्मेंद्र मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज होकर अपने घर पहुंचे हैं और अब आगे का ट्रीटमेंट उनके घर पर ही हो रहा है।

घर पर चल रही है धर्मेंद्र की जांच

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अस्पताल से डॉक्टरों की टीम बार-बार धर्मेंद्र की जांच के लिए उनके घर पहुंच रही है। हालांकि उनकी हेल्थ को लेकर डॉक्टरों की तरफ से कोई भी सटीक जानकारी अब तक सामने नहीं आई है।

परिवार ने दिया एक्टर का हेल्थ अपडेट

कई रिपोर्ट्स में तो ये दावा किया जा रहा है कि धर्मेंद्र की हालत अस्पताल से घर लाने के बाद भी जस की तस है। उनकी हेल्थ में कोई सुधार नहीं हुआ है। हालांकि एक्टर के परिवार की तरफ से लोगों को ये बताया जा रहा है कि एक्टर धीरे-धीरे रिकवरी कर रहे हैं। ऐसे में धर्मेंद्र की हेल्थ को लेकर कोई भी सही जानकारी सामने नहीं आ पाई है।

देओल परिवार ने धर्मेंद्र को लेकर

किया ये बड़ा फैसला

इसी बीच धर्मेंद्र के परिवार की तरफ से ये फैसला लिया गया है कि एक्टर का 90वां जन्मदिन बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार धर्मेंद्र के दोनों बेटे, सनी देओल और बॉबी देओल, अपने पापा के जन्मदिन के सेलिब्रेशन को लेकर प्लानिंग में जुट गए हैं। दोनों भाइयों ने अभी से सारी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मनाया जाएगा एक्टर का 90वां जन्मदिन

-जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र आगामी 8 दिसंबर 2025 को 90 साल के हो जाएंगे। ऐसे में परिवार ने एक्टर का बर्थडे सेलिब्रेट करने का फैसला लिया है। देओल परिवार के एक सूत्र ने दावा किया है कि अगर ईश्वर की इच्छा हुई तो धर्मेंद्र की फैमिली आगामी 8 दिसंबर को उनका जन्मदिन मनाएगी। इस खास दिन पर धर्मेंद्र और उनकी बेटी ईशा देओल का जन्मदिन एकसाथ मनाया जाएगा।

-आपको बता दें कि धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल का गत 2 नवंबर को बर्थडे था लेकिन पिता की तबीयत खराब होने की वजह से उन्होंने तब अपना जन्मदिन सेलिब्रेट नहीं किया था। वह अपने पिता के ठीक होने का इंतजार कर रही थीं। ऐसे में पिता और बेटी का जन्मदिन एकसाथ मनाए जाने की बात सामने आ रही है।

-वहीं धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने भी एक्टर के जन्मदिन मनाने को लेकर देओल परिवार का साथ दिया है। उन्होंने भी घोषणा की है कि वह इस जश्न में देओल परिवार के साथ होंगी और अपने पति का 90वां बर्थडे सेलिब्रेट करेंगी।

क्या ट्रॉमा में है देओल परिवार?

आपको बता दें कि बीमार धर्मेंद्र का वीडियो लीक होने के बाद से पूरा देओल परिवार काफी परेशान नजर आ रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि धर्मेंद्र के इस प्राइवेट वीडियो के लीक होने के बाद से देओल फैमिली ट्रॉमा में चल रही है। वीडियो के लीक होने को लेकर पुलिस की जांच जारी है। वहीं एक्टर के घर के बाहर से पैपराजी भी हटा दिए गए हैं।

धर्मेंद्र की हेल्थ में हो रहा है सुधार या फिर है कोई और बात?

-आपको बता दें कि गत 31 अक्टूबर 2025 को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद धर्मेंद्र को मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। वहीं एक्टर की टीम ने बताया था कि ये भर्ती रूटीन मेडिकल चेकअपकी श्रेणी में थी, लेकिन बाद में उनकी हालत पर निगरानी बढ़ा दी गई थी।

-मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया था कि धर्मेंद्र को कऊव में रखा गया था और बाद में तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर एक्टर को वेंटिलेटर सपोर्ट पर भेज दिया गया था। हालांकि, परिवार और टीम ने इन वेंटिलेटर की खबरों को खारिज किया था। उनके करीबी सूत्रों ने कहा था कि वेंटिलेटर की खबर गलत थी और धर्मेंद्र को सिर्फ नजर रखकर ऑब्जर्वेशन में रखा गया था।

धर्मेंद्र के परिवार का बयान और अफवाहों पर सफाई

धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल की टीम ने स्पष्ट किया था कि एक्ट स्थिर हैं और ऑब्जर्वेशन में हैं। साथ ही एक्टर और उनके परिवार की निजता बनाए रखने की अपील भी की गई थी। धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने सोशल मीडिया पर कहा था कि कुछ रिपोर्ट्स में उनके पिता के बारे में गलत बातें बताई जा रही हैं।